University in News on 27 March 2021

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

एनईपी कमेटी में लविवि के कुलपति भी शामिल

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में सुधार के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शासन की ओर से पांच वर्किंग ग्रुप गठित करने का निर्णय लिया है, जिसमें पांच राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। इसी कड़ी में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को उच्च शिक्षण संस्थानों के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को अधिक वर्गीकृत स्वायत्ता देने तथा अधिनियमों में संशोधन विषयक समूह का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि विश्वविद्यालय के ही अर्थशास्त्र विभाग के प्रो. अरविंद मोहन को पांचों समूह में सदस्य बनाया गया है। प्रो. राय ने पांच शिक्षकों का एक ग्रुप बनाया है, जिसमें प्रो. निशी पांडेय, प्रो. विवेक प्रसाद, प्रो. पूनम टंडन, प्रो. संजय गुप्ता, प्रो. अरविंद मोहन शामिल हैं। इन समूहों को 15 अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट शासन को देनी है। अगली बैठक 16 अप्रैल को प्रस्तावित की गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

कुलपति पद की ट्रेनिंग के लिए मांगे आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने योग्य शिक्षकों से कुलपति की ट्रेनिंग के लिए आवेदन मांगे हैं। जारी पत्र में कहा गया है कि राज्य विश्वविद्यालय में कुलपति बनने के योग्य शिक्षक निर्धारित प्रोफार्मा पर ट्रेनिंग के लिए आवेदन करें, जिसमें वो शिक्षक जो 10 साल प्रोफेसर का अनुभव रखते हो, तीन साल का प्रशासनिक अनुभव, उच्च एकेडमिक योग्यता कम से कम 30 शोध पत्र स्कोपस इंडेक्स में प्रकाशित हुए हो या 3 बड़े राष्ट्रीय रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम किया हो। उनकी आयु 25 मार्च को 58 साल से कम हो, वे आवेदन कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

100 बेड का अस्पताल शुरू करेगा लविवि

योग और वैकल्पिक चिकित्सा के लिए अस्पताल में ओपीडी भी चलेगी, पढ़ाई के साथ चिकित्सा का भी मिलेगा लोगों को लाभ

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय योग और वैकल्पिक चिकित्सा के लिए 100 बेड का अस्पताल शुरू करने जा रहा है। यहां पढ़ाई के साथ आम लोगों के लिए ओपीडी का भी संचालन किया जाएगा, जिसके लिए वित्त समिति ने दरें तय कर दी है। साथ ही यहां पांच वर्षीय बीएनवाईएस पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने शताब्दी वर्ष में विश्वविद्यालय के योग इंस्टीट्यूट को मर्ज करते हुए फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की स्थापना की है, जिसकी नए सत्र से विधिवत शुरुआत होने जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन एक तरफ जहां यूजी-पीजी की पढ़ाई कराएगा, वहीं ओपीडी का भी संचालन करेगा। इस फैकल्टी में वर्तमान में बीए-बीएससी योग, एमए-एमएससी योग, एमए इन एचसीवाईएस और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा, सर्टिफिकेट इन योग पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार लविवि देश का पहला विश्वविद्यालय है, जहां पर योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन की पहली फैकल्टी स्थापित की गई है। इस फैकल्टी के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. नवीन खरे एवं समन्वयक के रूप में डॉ. अमरजीत यादव को नियुक्त किया गया है। प्रो. खरे ने बताया कि यह फैकल्टी विश्वविद्यालय के फैकल्टी बोर्ड, एकेडमी काउंसिल, वित्त समिति व कार्य परिषद से अनुमोदित हो चुकी है। साथ ही राजभवन से कार्यवाही के लिए सहमति पत्र भी प्राप्त हो गया है। यहां योग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग होंगे। साथ ही स्वास्थ्य जागरूकता, योग जागरूकता, साहित्य, शोध, फ्री योग कैंपस आदि कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बीए-बीएससी योग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जबकि एमए-एमएससी योग पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु शीघ्र ही ऑनलाइन आवेदन पत्र उपलब्ध हो जाएंगे।

रोजगार की काफी संभावनाएं

फैकल्टी को-ऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि योग स्वास्थ्य की उन्नति के लिए अच्छा साधन बन चुका है। इसलिए योग में रोजगार की संभावना बढ़ रही हैं। आयुष मंत्रालय में योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति होती है। इसके अतिरिक्त विभिन्न परियोजनाओं में योग प्रशिक्षकों की भर्ती की जा रही है। प्रदेश के 75 जनपद में योग वेलनेस सेंटर खोले गए हैं, जिनमें योग प्रशिक्षक एवं योग सहायक की भर्तियां की जा रही हैं। इस कोर्स के बाद रोजगार की काफी संभावनाएं हैं।

जम्मू-कश्मीर के बदले हालात की पढ़ाई करेंगे छात्र

रक्षा अध्ययन विभाग ने अपग्रेड किया पाठ्यक्रम, एबीसी वेपन वॉर को भी किया शामिल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन के बीए फाइनल ईयर के छात्र जम्मू-कश्मीर के बदले हालात की पढ़ाई करेंगे। विभाग ने अप्रैल से शुरू हो रहे नए सेमेस्टर के लिए अपने पाठ्यक्रम को अपग्रेड किया है, जिसमें अन्य चीजों के साथ-साथ बीए छठे सेमेस्टर में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ा एक पेपर भी शामिल किया गया है। इसमें जम्मू-कश्मीर कब बना, उसके बाद क्या-क्या हुआ? विभाग के समन्वयक डॉ. ओपी शुक्ला ने बताया कि नए सेमेस्टर के लिए पाठ्यक्रम को अपग्रेड किया गया है। इसे 100-100 नंबर के एक पेपर के रूप में पढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीए के पहले सेमेस्टर में आधुनिक युद्ध कला, एबीसी वेपन वॉर फेयर (एटॉमिक, बायोलॉजिकल, केमिकल) के बारे में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा। तीसरे सेमेस्टर में राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौती व खतरे, आंतरिक व बाह्य परिप्रेक्ष्य और गुट निरपेक्ष आंदोलन को शामिल किया गया है। इसी क्रम में चौथे सेमेस्टर में महात्मा गांधी व नेहरू के शांति पर उनके विचार। पांचवें में भारत के उच्च रक्षा तंत्र, नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल आदि को शामिल किया गया है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि इसी क्रम में पीजी पहले के दूसरे सेमेस्टर में इंटरनेशनल रिलेशन एंड कॉन्फ्लिक्ट रिजोल्यूशन, ह्यूमन राइट्स एंड इंटरनेशनल, डिजास्टर मैनेजमेंट, इंसर्जेंसी एंड टेररिज्म (पूर्वोत्तर राज्यों में प्रभाव) को शामिल किया गया है। साथ ही अभी तक एनसीसी एक यूनिट के रूप में पढ़ाई जाती थी, जिसे पूरी तरह पेपर के रूप में जोड़ा गया है। इसमें एनसीसी के इतिहास, उपयोगिता, संगठन आदि को जोड़ा गया है। (माई सिटी रिपोर्टर)

पड़ोसी देशों से संबंध भी बताएंगे

डॉ. शुक्ला ने बताया कि पीजी तीसरे सेमेस्टर में निशस्त्रीकरण, चीन, पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से संबंध व समन्वय के बारे में जानकारी देंगे। वहीं, चौथे सेमेस्टर में साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन मॉडर्न वॉर फियर को भी शामिल किया गया है। बदलते दौर में यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि हम अपने विद्यार्थियों को अत्याधुनिक बदलाव की जानकारी दें ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार हो।

i-NEXT PAGE 6

अब पीजी में भी कर सकेंगे एनसीसी की पढ़ाई

लखनऊ विश्वविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग ने एमए के कोर्स में किया शामिल

LUCKNOW(26 March): लखनऊ विश्वविद्यालय के एमए रक्षा अध्ययन के छात्र-छात्राएं अब नेशनल कैडेट कोर की पढ़ाई भी कर सकेंगे. अभी तक बीए स्तर पर टापिक के रूप में इसका कुछ भाग पढ़ाया जाता था. नए सत्र के लिए एमए सेकेंड सेमेस्टर में इसे शामिल किया गया है. 100 अंक के इस पेपर में एनसीसी की उपयोगिता, लाभ सहित सभी जानकारियां दी जाएंगी. इसके अलावा भी कोर्स में कुछ नई चीजें शामिल की गई हैं. बीते दिनों हुई बैठक में इसे लागू करने की मंजूरी मिल चुकी है.

कोर्स में किया गया बदलाव

रक्षा अध्ययन विभाग के कोआर्डिनेटर डॉ. ओपी शुक्ला ने बताया कि बीए और एमए स्तर पर इस कोर्स में कई बदलाव किए गए हैं. कोर और वैल्यू एडेड कई पेपर शामिल किए गए हैं. एमए प्रथम सेमेस्टर में अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मानव अधिकार और आंतरिक कानून, दूसरे सेमेस्टर में स्टडी ऑफ वार, एनसीसी को जोड़ा है.यह सभी पेपर चार-चार क्रेडिट के होंगे. आपदा प्रबंधन और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों को भी पढ़ाया जाएगा.

जम्मू-कश्मीर के इतिहास से रूबरू होंगे छात्र

छठे सेमेस्टर में छात्रों को जम्मू-कश्मीर के इतिहास से लेकर अब तक हुए बदलाव जैसे धारा 370 सहित सभी चीजें पढ़ाई जाएंगी. प्रथम सेमेस्टर में आधुनिक युद्ध के तरीके, इंडियन नेवी और एयर फोर्स में विस्तार, राष्ट्रीय सुरक्षा में आंतरिक एवं वाह्य चुनौती व खतरे विषय को भी शामिल किया गया है.

कोर्स में नई चीजों को किया गया शामिल.

यूनिवर्सिटी में नई फैकल्टी स्थापित

LUCKNOW(26 March): लखनऊ यूनिवर्सिटी के शताब्दी वर्ष पर योग इंस्टीट्यूट का विलय कर फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की स्थापना की गई है. योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन की पहली फैकल्टी स्थापित की गई है. देश के किसी भी विवि में फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन नाम से फैकल्टी नहीं है. प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि फैकल्टी में इंचार्ज प्रो. नवीन खरे को बनाया गया है.

NBT PAGE 6

कुलपति बनने के इच्छुक शिक्षकों से मांगे नाम

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अपने यहां के शिक्षकों से उनका अनुभव मांगा है, जो किसी अन्य विवि में कुलपति वनने के लिए इच्छुक हों। इस पत्र पर विवाद भी शुरू हो गया है। एलयू के शिक्षकों में शुक्रवार को चर्चा रही कि कुलपति की नियुक्ति या आवेदन लेने का अधिकार कुलाधिपति को होता है। ऐसे में एलयू के कुलपति किसी दूसरे विवि के लिए आवेदन कैसे मांग सकते हैं।

एलयू कुलपति के पत्र पर शुरू हुआ विवाद

प्रो. आलोक कुमार राय ने पत्र में लिखा है कि मुझसे अनुरोध किया गया है कि राज्य में विवि के कुलपति का पदभार ग्रहण करने की इच्छा के आधार पर प्राध्यापकों के नामों को लें। हालांकि, उनके पत्र में इस वात का जिक्र कहीं नहीं है कि कुलपति से अनुरोध किसने किया है। साथ ही पत्र में जो भी नियम लिखे हैं, वैसी कोई भी वाध्यता यूपी राज्य विवि अधिनियम में नहीं है।

कुलपति बोले, पांच सदस्यीय कमिटी ने भेजी चिट्ठीः इस मामले में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि सरकार ने पांच सदस्यीय कमिटी वनाई है, जिसका काम उच्च शिक्षा को और वेहतर वनाना है। कमिटी में शामिल सदस्यों ने कुलपतियों को चिट्ठी लिखकर कुलपति की योग्यता रखने वाले शिक्षकों नाम भेजने को कहा है। ताकि उन्हें ट्रेनिंग करवाकर भावी कुलपति तैयार किए जा सकें।

HINDUSTAN PAGE 6 & 8

भविष्य के कुलपति तैयार करने की कवायद शुरू

लखनऊ। सरकार भविष्य के लिए कुलपति तैयार करा रही है। उच्च शिक्षा के उत्थान एवं भविष्य में विश्वविद्यालयों को योग्य कुलपति देने की दिशा में काम शुरू हो गया है। कुलपति की दौड़ में शामिल होने वाले प्रोफेसरों को ट्रेंड करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है।

जिसका नेतृत्व बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति कर रहे हैं। आगरा विश्वविद्यालय के कुलपति ने इस मामले में सभी विश्वविद्यालय के कुलपतियों से योग्य शिक्षकों के नाम मांगे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय ने पूर्ण पारदर्शिता अपनाते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के उन सभी प्रोफेसरों को आगे आने का अवसर प्रदान किया है। जो योग्यता रखते हैं। इसके लिए उन्होंने प्रोफार्मा जारी किया है। प्रोफेसर के ग्रेड पर 10 वर्षों तक काम करने, तीन वर्ष तक प्रशासनिक अनुभव तथा 58 वर्ष से कम आयु के शिक्षक इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

एलयू: 9 अभ्यर्थियों को मिली नौकरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय व सम्बद्ध कॉलेज समेत नौ अभ्यर्थियों का कैंपस सेलेक्शन मल्टी नेशनल कम्पनी डेलॉयट में हुआ। सभी अभ्यर्थी एसोसिएट एनालिस्ट के पद पर 3.82 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयनित हुए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग संकाय बीसीए के छात्र महक रस्तोगी, आयुष जोशी, यश जैन, आशवाल दीक्षित, अनुराग तिवारी, उस्मान अहमद, अनुभव सिंह शामिल हैं। वहीं जीआईटीएमके के बीसीए के छात्र वैभव बिष्ट और लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज की बीसीए की छात्रा शिवानी पाण्डेय का चयन हुआ है।

PIONEER PAGE 4

एलयू में बनेगा 100 बेड का हास्पिटल, मिलेगा योग व प्राकृतिक चिकित्सा से उपचार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शताब्दी वर्ष में लखनऊ विश्वविद्यालय की तरफ से योग इंस्टीट्यूट को मर्ज कर स्थापित फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन निकट भविष्य में 100 बेड के हास्पिटल स्थापित करेगा। इस हॉस्पिटल में योग व प्राकृतिक चिकित्सा के जरिए मरीजों का उपचार किया जायेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है जहाँ पर योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन की पहली फैकल्टी स्थापित की गई है। फैकल्टी के प्रोफेसर इंचार्ज के रूप में प्रोफेसर नवीन खरे एवं कोऑर्डिनेटर के रूप में डॉ अमरजीत यादव को नियुक्त किया गया है। प्रो खरे ने बताया कि यह फैकल्टी विश्वविद्यालय के फैकल्टी बोर्ड अकेडमी कॉउन्सिल, फाइनैंस कमेटी, एक्जिक्यूटिव कॉउन्सिल से अनुमोदित हो चुकी है और राजभवन से कार्यवाही के लिए सहमति पत्र भी प्राप्त हो गया है। फैकल्टी में योग विभाग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग होंगे। वर्तमान में बीए/बीएससी और एमए/एमएससी योगा, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा, सर्टिफिकेट इन योग नाम से कोर्स संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में 100 बेड का हॉस्पिटल तैयार करके पंच वर्षीय बीएनवाईएस पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। फैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव में बताया कि पाठ्यक्रमो में पढ़ाई के साथ ही साथ योगा ओपीडी का संचालन किया जा रहा है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

प्रोफेसरों से मांगे कुलपति बनने के लिए आवेदन

लखनऊ (एसएनबी)। कुलपति वनने के लिए पहले की सरकारों में प्रोफेसर जुगाड़ लगाते थे, शायद यही कारण था कि कई जगहों पर नियुक्ति पाने वाले प्रोफेसरों ने न केवल उस विवि का वेड़ागर्क किया वल्कि अपने वड़वोलेपन से सरकार की भी किरकिरी करायी। लेकिन अव प्रदेश की भाजपा सरकार ने ने उच्च शिक्षा के उत्थान एव भविष्य के लिए अच्छे और वरिष्ठ प्रोफेसरों को मौका देने के लिए, भविष्य के लिए उन्हें तैयार करने, उन्हें ट्रेंड करने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टास्क फोर्स का नेतृत्व कुलपति वी.आर.आम्वेडकर विश्वविद्यालय, आगरा कर रहे है। कुलपति आगरा विश्वविद्यालय द्वारा सभी विश्वविद्यालय के कुलपतियों से नाम मांगे गए थे।

पहली बार जारी हुआ ऐसा प्रोफार्मा

लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने पूर्ण पारदर्शिता अपनाते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय के उन सभी प्रोफेसरों को आगे आने का अवसर दिया है, जो योग्यता पूर्ण करते हों। इसके लिए कुलपति प्रो.राय ने शुक्रवार को एक आदेश जारी करके उन सभी वरिष्ठ प्रोफेसर जो कुलपति वनना चाहते हैं, उनसे एक प्रोफार्मा शेयर किया है, जिसके तहत उन्हें 25 मार्च 2021 को उनकी आयु, प्रोफेशनल ग्रेड में उनका अनुभव, प्रशासनिक अनुभव, स्कॉपस इंडेक्स और इण्टरनेशनल जर्नल में उनके पव्लिकेशन और मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट्स के वारे में जानकारियां मांगी है। वहरहाल प्रदेश सरकार के इस कदम से पहली वार प्रोफेसरों में खुशी की लहर है। शुक्रवार को दिन भर इस पत्र को लेकर चर्चा रही और कई शिक्षकों ने इस पत्र के आधार पर जानकारियां शेयर करने की वात कही है।

AMRIT VICHAR PAGE 2

पहल | फैकल्टी के प्रोफेसर इंचार्ज बने प्रो. नवीन खरे और कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव

लविवि में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन स्थापित

अमृत विचार, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के अवसर पर योग इंस्टिट्यूट को मर्ज करते हुए फ़ैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की स्थापना की गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है, जहां पर योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन की पहली फ़ैकल्टी स्थापित की गई है। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में फ़ैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन नाम से फ़ैकल्टी नहीं है। इस फ़ैकल्टी के प्रोफ़ेसर इंचार्ज के रूप में प्रो. नवीन खरे और कोऑर्डिनेटर के रूप में डॉ. अमरजीत यादव को नियुक्त किया गया है।

प्रो. नवीन खरे ने बताया कि यह फ़ैकल्टी विश्वविद्यालय के फ़ैकल्टी बोर्ड अकेडमी कॉउन्सिल, फाइनेंस कमेटी, एक्सिक्यूटिव कॉउन्सिल से अनुमोदित हो चुकी है और राजभवन से कार्यवाही के लिए सहमति पत्र भी प्राप्त हो गया था। इस फ़ैकल्टी में योग विभाग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग होंगे।

वर्तमान समय में ये कोर्स हो रहे हैं संचालित

वर्तमान में फ़ैकल्टी के तहत बीए/बीएससी योगा, एमए/एमएससी योगा, एमए (एचसीवाईएस) और पोस्ट ग्रेजुएट डिम्प्लोमा इन योगा, सर्टिफिकेट इन योग, पाठ्यक्रमो में छात्रों ने प्रवेश लिया है और इन कोर्सों की पढ़ाई चल रही है। यह फ़ैकल्टी लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परीसर में स्थापित है। फ़ैकल्टी के बीए/बीएससी योगा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं तथा एमएससी योगा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए शीघ्र ही ऑनलाइन आवेदन पत्र उपलब्ध हो जायंगे।

100 बेड का बनेगा हॉस्पिटल

भविष्य में 100 बेड का हॉस्पिटल तैयार करके पंच वर्षीय बीएनवाईएस पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। फ़ैकल्टी में स्वास्थ्य जागरूकता, योग जागरूकता, लिट्रेचर, रिसर्च, फ्री योग कैम्प्स, कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इसकी जानकारी देते हुए फ़ैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉ अमरजीत यादव में बताया कि पाठ्यक्रमो में पढ़ाई के साथ ही साथ योगा ओपीडी का संचालन किया जा रहा है।

रोजगार के साधन हो रहे हैं सृजित

योग स्वास्थ्य की उन्नति के लिए अच्छा साधन बन चुका है इसलिए योग में रोजगार की संभावना बढ़ रही है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आयुष मंत्रालय, में अब योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति होने लगी है इसके अतिरिक्त विश्विद्यालय अनुदान आयोग, आयुर्वेद परिषद, होम्योपैथी परिषद, यूनानी परिषद की विभिन्न परियोजनाओं में योग प्रशिक्षकों की भर्ती की जा रही है। देश की बहुत ही बड़ी स्वास्थ्य परियोजना आयुष्मान भारत के अंतर्गत योग प्रशिक्षको की नियुक्ति की जा रही है। प्रदेश के 75 जिलों में योग वेलनेस सेंटर खोले गए हैं, जिनमें योग प्रशिक्षक एवं योग सहायक की भर्तियां की जा रही है। ऐसे लोग जो योग में पीएचडी कर लेते हैं। उनको भारत और राज्य सरकार के विश्विद्यालयो में नियुक्ति के अवसर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय की विभिन्न शोध परियोजनाओ में योग विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाती है।

TOI PAGE 5

LU VC asks profs to apply for VC post

Times News Network

Lucknow: In one of its kind moves, Lucknow University vice-chancellor Prof AK Rai on Friday wrote to all LU professors, asking them to submit applications if they are willing and qualified to take up the assignment of VCship in state universities.

Prof Rai said that he wrote the letter on the request of VC of Baba Saheb Bhimrao Ambedkar University, Agra, Prof Ashok Mittal, who is head of the task force constituted by the UP government. The task force has been assigned the job of "drafting a roadmap to uplift quality of education in higher education and prepare future VCs in the state, he added. Prof Mittal has made similar requests to VCs of all state universities, he said.

QUALITY EDUCATION

The eligibility, according to the letter, is: 10 years experience in professorial grade; three years of administrative experience; high academic standing with at least 30 publications in 'SCOPUS' indexed international journals or completion of at least three major research projects assigned by any national agency in their career; and age below 58 years as on March 25, 2021. Those interested can send applications on LU VC's official email.

The letter took some professors by surprise as such applications are generally sought by the governor's office.

नौ विद्यार्थी चयनित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल ने प्रोफेशनल सर्विसेज में वर्ल्ड में अग्रणी कंपनी डेलॉयट के साथ मिलकर बीते 25 मार्च को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया, जिसमें नौ विद्यार्थियों का चयन हुआ। कंपनी डेलॉयट में इंजीनियरिंग संकाय के बीसीए के सात छात्रों महक रस्तोगी, आयुष जोशी, यश जैन, आशवाल दीक्षित, अनुराग तिवारी, उस्मान अहमद और अनुभव सिंह है। साथ ही जीआईटीएम के बीसीए छात्र वैभव बिष्ट और लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज की बीसीए छात्रा शिवानी पाण्डेय का चयन हुआ। कंपनी ने चयनित छात्रों को एसोसिएट एनालिस्ट के पद पर 3.82 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया। अब तक लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के 137 छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित मल्टी नेशनल कम्पनीज में हो चुका है। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी चयनित छात्रों को बधाई दी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 2 & 6

लविवि में स्थापित हुई फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के अवसर पर योग इंस्टिट्यूट को मर्ज करते हुए फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन की स्थापना की गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय देश का पहला विश्वविद्यालय है, जहां पर योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन की पहली फैकल्टी स्थापित की गई है। देश के किसी भी विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन नाम से फैकल्टी नहीं है। इस फैकल्टी के प्रोफेसर इंचार्ज के रूप में प्रो. नवीन खरे और कोऑर्डिनेटर के रूप में डॉ. अमरजीत यादव को नियुक्त किया गया है। प्रो. नवीन खरे ने बताया कि यह फैकल्टी विश्वविद्यालय के फैकल्टी बोर्ड अकेडमी कॉउन्सिल, फाइनेंस कमेटी, एक्सिक्यूटिव कॉउन्सिल से अनुमोदित हो चुकी है और राजभवन से कार्यवाही के लिए सहमति पत्र भी प्राप्त हो गया था। इस फैकल्टी में योग विभाग और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग होंगे।

● फैकल्टी के इंचार्ज बने प्रो. नवीन खरे व कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत

ये कोर्स हो रहे संचालित : वर्तमान में फैकल्टी के तहत बीएध्बीएससी योगाए एमए-एमएससी योगा, एमए (एचसीवाईएस) और पोस्ट ग्रेजुएट डिम्प्लोमा इन योगा, सर्टिफिकेट इन योग, पाठ्यक्रमों में छात्रों ने प्रवेश लिया है और इन कोर्सों की पढ़ाई चल रही है। यह फैकल्टी लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित द्वितीय परीसर में स्थापित है। फैकल्टी के बीए-बीएससी योगा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं तथा एमएससी योगा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए शीघ्र ही ऑनलाइन आवेदन पत्र उपलब्ध हो जायंगे।

100 बेड का बनेगा हॉस्पिटल : भविष्य में 100 बेड का हॉस्पिटल तैयार करके पंच वर्षीय बीएनवाईएस पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा। फैकल्टी में स्वास्थ्य जागरूकता,योग जागरूकता, लिट्रेचर, रिसर्च, फ्री योग कैम्प्स, कार्यक्रम चलाए जा रहे है। इसकी जानकारी देते हुए फैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉ .अमरजीत यादव में बताया कि पाठ्यक्रमो में पढ़ाई के साथ ही साथ योगा ओपीडी का संचालन किया जा रहा है।

रोजगार के साधन हो रहे सृजित : योग स्वास्थ्य की उन्नति के लिए अच्छा साधन बन चुका है इसलिए योग में रोजगार की संभावना बढ़ रही है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशनए आयुष मंत्रालयए में अब योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति होने लगी है इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, आयुर्वेद परिषद, होम्योपैथी परिषद, यूनानी परिषद की विभिन्न परियोजनाओं में योग प्रशिक्षकों की भर्ती की जा रही है। देश की बहुत ही बड़ी स्वास्थ्य परियोजना आयुष्मान भारत के अंतर्गत योग प्रशिक्षको की नियुक्ति की जा रही है। प्रदेश के 75 जिलों में योग वेलनेस सेंटर खोले गए हैं, जिनमें योग प्रशिक्षक एवं योग सहायक की भर्तियां की जा रही है। ऐसे लोग जो योग में पीएचडी कर लेते हैं। उनको भारत और राज्य सरकार के विश्वविद्यालयो में नियुक्ति के अवसर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त शिक्षा मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय की विभिन्न शोध परियोजनाओं में योग विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाती है।